भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 5400
दिनांक 03 अप्रैल, 2025

जैव-ईंधन नीति का प्रभाव

†5400. श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी:
डॉ. विनोद कुमार बिंद:
श्री प्रवीण पटेल:
श्री खगेन मुर्मु :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार की वर्तमान जैव-ईंधन नीति की मुख्य विशेषताएं क्या हैं तथा इससे संबद्ध लाभ क्या हैं;
(ख) क्या पेट्रोल के साथ इथेनॉल मिलाने से कोई हानिकारक प्रभाव पड़ता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) देश में इथेनॉल-मिश्रित ईंधन ई10 और ई20 से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कितनी कमी आने की प्रत्याशा है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क): राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति – 2018, वर्ष 2022 में यथासंशोधित, की प्रमुख विशेषताएँ निम्नानुसार है –

i. "मूल जैव ईंधनों" तथा "उन्नत जैव ईंधनों" के रूप में जैव ईंधनों का श्रेणीकरण;
ii. उन्नत जैव ईंधनों के लिए प्रोत्साहन, ऑफ टेक आश्वासन एवं व्यवहार्यता में कमी सम्बन्धी निधीयन;
iii. जैव ईंधनों के उत्पादन के लिए विभिन्न फीडस्टॉकों को अनुमति प्रदान करना;
iv. गैर-खाद्य तिलहन, प्रयुक्त खाद्य तेल, लघु अवधि की फसलों से जैवडीजल के उत्पादन के लिए आपूर्ति श्रृंखला तंत्रों की स्थापना करना;
v. जैवईंधनों के सम्बन्ध में सभी सम्बद्ध मंत्रालयों/विभागों की भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों को परिभाषित करके प्रयासों में तालमेल बिठाना;
vi. पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को वर्ष 2030 से घटाकर एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2025-26 किया जाना और वर्ष 2030 तक डीजल में 5% जैवडीजल का मिश्रण;
vii. देश में मेक इन इंडिया कार्यक्रम के अन्तर्गत विशिष्ट आर्थिक जोन (एसईजेड)/निर्यात उन्मुखी इकाइयों (ईओयूज) में अवस्थित इकाइयों के माध्यम से जैवईंधनों के उत्पादन को प्रोत्साहित करना
viii. विशिष्ट मामलों में जैवईंधनों के निर्यात के लिए अनुमति प्रदान करना।
ix. जैव ईंधन कार्यक्रम के समन्वयन, क्रियान्वयन और निगरानी के निमित्त संस्थागत तंत्र; एवं

x. जैव ईंधन क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहन देना।

(ख) से (ग): सरकार, राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति-2018, वर्ष 2022 में यथा संशोधित, के तहत कई प्रयोजनों के साथ एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के अन्तर्गत पेट्रोल में एथेनॉल के मिश्रण को बढ़ावा दे रही है। हरित ईंधन के रूप में एथेनॉल सरकार के पर्यावरण संधारणीयता सम्बन्धी प्रयासों का समर्थन करता है। यह विदेशी मुद्रा की बचत करते हुए कच्चे तेल की आयात निर्भरता को कम करता है और घरेलू कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देता है।

एथेनॉल मिश्रित ईंधन को पर्यावरण अनुकूल माना जाता है। शुद्ध पेट्रोल की तुलना में एथेनॉल मिश्रित ईंधनों ई10 और ई20 के अनुमानित ग्रीनहाऊस गैस उत्सर्जन लाभ निम्नानुसार हैं –

उत्सर्जन	गैसोलीन	दु-पहिया		चार- पहिया	
		ई10	ई20	ई10	ई20
कार्बन मोनोऑक्साइड	बेसलाइन	20% कम	50% कम	20% कम	30% कम
हाइड्रोकार्बन	बेसलाइन	20% कम	20% कम	20% कम	20% कम

(स्रोत – भारत में एथेनॉल मिश्रण के लिए रोड मैप, 2020-25)

इसके अलावा, एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2014-15 से जनवरी, 2025 तक की अवधि के दौरान, ईबीपी कार्यक्रम के परिणामस्वरूप लगभग 626 लाख मीट्रिक टन निवल सीओ2 में कमी हुई है

****